दर्शनशास्त्र / PHILOSOPHY

प्रश्न-पत्र I / Paper I

निर्धारित समय : तीन घंटे
Time allowed : Three Hours

अधिकतम अंक : **250**
Maximum Marks : **250**

प्रश्न-पत्र के लिए विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों का उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें :

इसमें **आठ** प्रश्न हैं जो दो **खण्डों** में विभाजित हैं तथा हिन्दी और अंग्रेज़ी दोनों में छपे हैं ।

परीक्षार्थी को कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर देने हैं ।

प्रश्न संख्या **1** और **5** अनिवार्य हैं तथा बाकी में से प्रत्येक खण्ड से कम-से-कम **एक** प्रश्न चुनकर किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं ।

प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए । उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे ।

प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए ।

प्रश्नों के उत्तरों की गणना क्रमानुसार की जाएगी । यदि काटा नहीं हो, तो प्रश्न के उत्तर की गणना की जाएगी चाहे वह उत्तर अंशतः दिया गया हो । उत्तर-पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए ।

Question Paper Specific Instructions

Please read each of the following instructions carefully before attempting questions :

There are ***EIGHT*** *questions divided in two* ***SECTIONS*** *and printed both in* ***HINDI*** *and in* ***ENGLISH.***

Candidate has to attempt ***FIVE*** *questions in all.*

Questions no. ***1*** *and* ***5*** *are compulsory and out of the remaining,* ***THREE*** *are to be attempted choosing at least* ***ONE*** *from each section.*

The number of marks carried by a question / part is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Attempts of questions shall be counted in chronological order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the answer book must be clearly struck off.

खण्ड A

SECTION A

Q1. निम्नलिखित के लघु उत्तर लिखिए, जो प्रत्येक लगभग 150 शब्दों में हों :

(a) स्ट्रौसन के द्वारा व्यक्ति की प्रकृति की अपनी संकल्पना के लिए, दिए गए तर्कों को स्पष्ट कीजिए और उनका मूल्यांकन कीजिए ।

(b) निजी भाषा की संभावना के विरुद्ध विटगैनस्टाइन के तर्कों को स्पष्ट कीजिए ।

(c) अनिवार्य प्रतिज्ञप्तियों का इंद्रियानुभविक प्रतिज्ञप्तियों से विभेदन कीजिए । अनिवार्य प्रतिज्ञप्ति को किस प्रकार न्यायसंगत सिद्ध किया जाता है ? स्पष्ट कीजिए ।

(d) चर्चा कीजिए कि किस प्रकार सारवस्तुओं की विभिन्न संकल्पनाओं का खंडन करने के द्वारा, अरस्तू सारवस्तु के अपने सिद्धांत को स्थापित करता है ।

(e) विप्रतिषेध क्या होता है ? कांट द्वारा चर्चित प्रमुख विप्रतिषेधों का वर्णन कीजिए ।

Write short answers to the following in about 150 words each : *10×5=50*

(a) Explain and evaluate Strawson's arguments for his conception of the nature of a person. *10*

(b) Explain Wittgenstein's arguments against the possibility of private language. *10*

(c) Distinguish necessary from empirical propositions. How is a necessary proposition justified ? Explain. *10*

(d) Discuss how by refuting the different concepts of substances Aristotle establishes his own theory of substance. *10*

(e) What is an antinomy ? Describe the major antinomies discussed by Kant. *10*

Q2. निम्नलिखित के उत्तर लिखिए, जो प्रत्येक लगभग 200 शब्दों में हों :

(a) प्लेटो के आकारों के सत्तामीमांसीय सिद्धांत को स्पष्ट कीजिए । क्या 'ज्ञान' आकारों में से एक है ? कारण बताइए ।

(b) कांट के कारणता के विचार को स्पष्ट कीजिए । कांट किस सीमा तक ह्यूम की आपत्ति कि कारण-संबंध में तार्किक अवश्यता की कमी है, का उत्तर देने में सफल हो पाया है ?

(c) परमाणु और सामान्य प्रतिज्ञप्तियों के बीच विभेदन कीजिए । दर्शाइए कि उनको किस प्रकार सत्य सिद्ध किया जाता है ।

(d) व्यक्ति की स्वतंत्रता की स्पिनोज़ा की संकल्पना पर एक लघु समालोचनात्मक निबंध लिखिए ।

Write answers to the following in about 200 words each : $12\frac{1}{2} \times 4=50$

(a) Explain Plato's ontological theory of Forms. Is 'knowledge' one of the Forms ? Give reasons. $12\frac{1}{2}$

(b) State Kant's view of causality. How far is Kant able to answer Hume's objection that causal relation lacks logical necessity ? $12\frac{1}{2}$

(c) Distinguish between atomic and general propositions. Show how they are justified true. $12\frac{1}{2}$

(d) Write a short critical essay on Spinoza's conception of freedom of the individual. $12\frac{1}{2}$

Q3. निम्नलिखित के उत्तर लिखिए, जो प्रत्येक लगभग 200 शब्दों में हों :

(a) डेस्कार्टि की संदेह-प्रणाली को स्पष्ट कीजिए । क्या ईश्वर के अस्तित्व में उसके विश्वास को सिद्ध करने के लिए इस प्रणाली का इस्तेमाल किया जा सकता है ? अपने उत्तर के पक्ष में तर्क प्रस्तुत कीजिए ।

(b) टिप्पणी कीजिए : 'संचलन स्वयं व्याघात है ।' इस संदर्भ में, हेगेल की द्वंद्वात्मक प्रणाली का परीक्षण कीजिए ।

(c) जॉन लॉक के सारवस्तु के सिद्धांत का परीक्षण कीजिए ।

(d) सार्त्रे के 'बीइंग-फॉर-इटसेल्फ' और 'बीइंग-इन-इटसेल्फ' के बीच विभेद का परीक्षण कीजिए ।

Write answers to the following in about 200 words each : $12\frac{1}{2} \times 4=50$

(a) Explain Descartes' method of doubt. Can this method be used to justify his belief in the existence of God ? Argue your case. $12\frac{1}{2}$

(b) Comment : 'Movement is contradiction itself.' Examine, in this context, Hegel's dialectical method. $12\frac{1}{2}$

(c) Examine John Locke's theory of substance. $12\frac{1}{2}$

(d) Examine Sartre's distinction between Being-for-itself and Being-in-itself. $12\frac{1}{2}$

Q4. निम्नलिखित के उत्तर लिखिए, जो प्रत्येक लगभग 200 शब्दों में हों :

(a) टिप्पणी कीजिए : 'मूर का सामान्य बुद्धि का पक्ष-पोषण आवश्यक रूप से सामान्य भाषा का पक्ष-पोषण है ।'

(b) वरण की कीर्कगार्ड की संकल्पना का विश्लेषण कीजिए । उसके विचार में, क्या सही या ग़लत वरण हो सकता है ? चर्चा कीजिए ।

(c) अविभेद्यों के तादात्म्य के लाइबनिट्ज़ के सिद्धांत का एक समालोचनात्मक विवरण प्रस्तुत कीजिए ।

(d) स्व के ह्यूम के सिद्धांत का एक समालोचनात्मक विवरण प्रस्तुत कीजिए ।

Write answers to the following in about 200 words each : $12\frac{1}{2} \times 4 = 50$

(a) Comment : 'Moore's defence of common sense essentially is defence of ordinary language.' $12\frac{1}{2}$

(b) Analyse Kierkegaard's concept of choice. Can there be, in his view, correct or incorrect choice ? Discuss. $12\frac{1}{2}$

(c) Give a critical account of Leibnitz's principle of the identity of indiscernibles. $12\frac{1}{2}$

(d) Give a critical account of Hume's theory of the Self. $12\frac{1}{2}$

खण्ड B

SECTION B

Q5. निम्नलिखित के लघु उत्तर लिखिए, जो प्रत्येक लगभग 150 शब्दों में हों :

(a) 'सप्तभंगीनय' और 'अनेकांतवाद' के सिद्धांत के बीच संबंध का विश्लेषण कीजिए ।

(b) बौद्धों की 'अस्थायित्व' की अवस्थिति को स्पष्ट कीजिए और दर्शाइए कि अस्थायित्व का विचार किस प्रकार यथार्थता की क्षणिकता के सिद्धांत तक ले जाता है ।

(c) किसी कथन के 'प्रामाण्य' (वैधता/सत्य) का निर्धारण किस प्रकार किया जाता है ? इस संदर्भ में, 'परतः-प्रामाण्यवाद' के सिद्धांत का परीक्षण कीजिए ।

(d) 'जीवनमुक्ति' की संभावना को स्पष्ट कीजिए । इसकी 'कैवल्य' के योग-विवरण के साथ समालोचनात्मक तुलना कीजिए ।

(e) व्यक्ति के आध्यात्मिक विकास के माध्यम से विश्व मोक्ष की श्री अरविंद की संकल्पना को स्पष्ट कीजिए ।

Write short answers to the following in about 150 words each : *10×5=50*

(a) Analyse the relation between the theory of *saptabhanginaya* and *anekantavada*. *10*

(b) Explain the Buddhists' position of 'Impermanence' and show how the idea of Impermanence leads to the theory of momentariness of reality. *10*

(c) How is the *pramanya* (validity/truth) of a statement determined ? Examine, in this context, the theory of *paratah-pramanyavada*. *10*

(d) Explain the possibility of *jivanmukti*. Critically compare it with the Yoga account of *kaivalya*. *10*

(e) Explain Sri Aurobindo's conception of cosmic salvation through spiritual evolution of the individual. *10*

Q6. निम्नलिखित के उत्तर लिखिए, जो प्रत्येक लगभग 200 शब्दों में हों :

(a) पाँच प्रकारों के विभेदों (पंचविधाभेद) का वर्णन कीजिए । माधव के सिद्धांत के लिए उनके दार्शनिक महत्त्व पर प्रकाश डालिए ।

(b) 'समवाय' क्या होता है ? समवाय को एक सुस्पष्ट पदार्थ के रूप में स्वीकार करने के क्या आधार हैं ? चर्चा कीजिए ।

(c) 'पुरुष' और 'प्रकृति' के बीच संबंध का मूल्यांकन कीजिए, यदि कोई हो तो ।

(d) 'ब्रह्म' (परम) से 'ईश्वर' का किस प्रकार विभेदन किया जा सकता है ? इन दो संकल्पनाओं में से कौन-सी संकल्पना दार्शनिकतः बेहतर है ?

Write answers to the following in about 200 words each : $12\frac{1}{2}\times4=50$

(a) Describe the five types of differences (*panchavidhabheda*). Bring out their philosophical significance for Madhva's theory. $12\frac{1}{2}$

(b) What is *samavāya* ? What are the grounds for accepting *samavāya* as a distinct padārtha ? Discuss. $12\frac{1}{2}$

(c) Evaluate the relation, if any, between *purusa* and *prakrti*. $12\frac{1}{2}$

(d) How can *Iśvara* (God) be distinguished from *Brahman* (Absolute) ? Which of the two concepts are philosophically better ? $12\frac{1}{2}$

Q7. निम्नलिखित के उत्तर लिखिए, जो प्रत्येक लगभग 200 शब्दों में हों :

(a) 'व्याप्ति' की न्याय संकल्पना का विश्लेषण कीजिए और 'तर्क' के साथ उसके संबंध का परीक्षण कीजिए ।

(b) 'श्रुति' को 'प्रमाण' रूप में स्वीकार करने के लिए प्रभाकर मीमांसक के तर्कों का मूल्यांकन कीजिए ।

(c) जीवात्मा के अस्तित्व के लिए न्याय-वैशेषिक के तर्कों का परीक्षण कीजिए ।

(d) शंकर के पश्चात् ब्राह्मण के स्वरूप लक्षण और तटस्थ लक्षण के बीच विभेदन कीजिए ।

Write answers to the following in about 200 words each : $12\frac{1}{2}\times4=50$

(a) Analyse the Nyaya concept of *vyapti* and examine its relation to *tarka*. $12\frac{1}{2}$

(b) Evaluate Prabhakara Mimamsaka's arguments for accepting *sruti* as *pramana*. $12\frac{1}{2}$

(c) Examine the Nyaya-Vaisesika arguments for the existence of jivatma (soul). $12\frac{1}{2}$

(d) Distinguish between Svarupa lakṣaṇa and Tatastha lakṣaṇa of Brahman after Śankara. $12\frac{1}{2}$

Q8. निम्नलिखित के उत्तर लिखिए, जो प्रत्येक लगभग 200 शब्दों में हों :

(a) टिप्पणी कीजिए : 'शून्यवाद को स्वीकार कर लेना व्यक्ति को धर्म के अनुसरण के प्रति उदासीन बना देता है ।' इस संदर्भ में, शून्यवाद के लिए नागार्जुन के तर्कों का परीक्षण कीजिए ।

(b) 'कर्म नहीं, परंतु केवल ज्ञान मोक्ष तक पहुँचा देता है ।' (शंकर) । क्या आप सहमत हैं ? अपने उत्तर को सही सिद्ध कीजिए ।

(c) 'माया' के शंकर के सिद्धांत की रामानुज की मीमांसा का मूल्यांकन कीजिए ।

(d) योग दर्शन में 'चित्तवृत्ति' की संकल्पना का एक समालोचनात्मक विवरण प्रस्तुत कीजिए ।

Write answers to the following in about 200 words each : $12\frac{1}{2} \times 4 = 50$

(a) Comment : 'Accepting *sunyavada* makes one indifferent to the pursuit of *dharma*.' Examine, in this context, Nagarjuna's arguments for *sunyavada*. $12\frac{1}{2}$

(b) 'Not karma, but knowledge alone leads to *moksa*.' (Samkara). Do you agree ? Justify your answer. $12\frac{1}{2}$

(c) Evaluate Ramanuja's critique of Samkara's theory of *maya*. $12\frac{1}{2}$

(d) Give a critical account of the concept of *ćittavṛtti* in Yoga philosophy. $12\frac{1}{2}$